# प्रकाशनार्थ

## जगपद आजमगढ़ के महान विभूति राहुत सास्कृंतायन के जन्म स्थान में स्वामी श्री योगी सत्यम् जी महाराज का पातंजलि योग गौरव से हुए सम्मानित

## 20 सितम्बर 2015 । भैरव महोत्सव, महाराजगंज

त्रिदिवसीय भैरव महोत्सव में आयोजित क्रियायोग शिविर के अवसर पर अन्तराष्ट्रीय क्रियायोग वैज्ञानिक स्वामी श्री योगी सत्यम् जी ने स्पष्ट किया कि मानव की सम्पूर्ण समस्याओं का कारण अविद्या है। अविद्या के कारण ही मानव अपने स्वरूप का अनुभव नहीं कर पाता है। स्वामी जी ने स्पष्ट किया कि जिस समय मनुष्य अपने आपको ईश्वर की संतान के रूप में अनुभव कर लेगा उस स्थिति में अविद्या में मुक्त हो जायेगा।

स्वामी जी ने क्रियायोग पर आगे प्रकाश डालते हुए स्पष्ट किया कि क्रियायोग के नियमित भक्तिपूर्ण अभ्यास से मनुष्य अपने शैशव काल से वयस्क काल में आसानी से प्रवेश कर जाता है। इस वयस्क स्वरूप को पैगम्बर (अवतार) कहते है। इस स्थिति में वह सभी प्रकार की शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक समस्याओं से मुक्त हो जाता है।

क्रियायोग ध्यान के पश्चात् अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एंव मुशायरे का आयोजन हुआ, जिससे देश के अनेको नाम चीन कवियो एंव शायरो ने भाग लिया जैसे (वाराणसी से आये श्री नागेश, शडिल्य हास्य), राजाराम सिहं सहित्य, मैकश आजमी, शायर श्री मालचन्द त्रिपाठी, फलक सुल्तान पुरी, विन्रम सेन सिहं, प्रभु नारायण प्रेमी एंव कु0 साधना यादव, उत्तराखण्ड, बजरग रवि, आदि।

इस मौके पर बतौर विशिष्ठ अतिथि लखनऊ से आए उ0प्र0 चीनी मिल्स के प्रबन्ध निदेशक डा0 वी0के0 यादव, डा0 के0के0 यादव (पोस्ट मास्टर जनरल भारत सरकार), श्री अटल राय ( सी0डी0ओ0 इला0 ), कु साधना यादव ( वैज्ञानिक इसरो ), डा0 संग्राम सिहं यादव ( विधायक, अतरैलिया ), श्री मालचन्द त्रिपाठी, डा0 अनिश, डा0 भारतद्ववाज, पार्वती देवी, अमित ए0एफ0एस0, आनन्द मिश्र ( पी0सी0एस0 ) व अनेक प्रतिभाओं को स्वामी श्री योगी सत्यम् महाराज जी के कर कमलों से सम्मानित किया गया।

इस मौके पर मुकेश मिश्र, आयोजन समिति के अध्यक्ष ने स्वामी श्री स्वामी योगी सत्यम् जी को आजमगढ़ जनपद के महान विभूतियों की भूमि बताते हुए जैसे राहुल सास्कृंतायन, अयोध्या सिहं उपाध्याय हरियोध, कैफी आजमी की याद को प्रदर्शित करते हुए स्वामी श्री योगी सत्यम् जी को अन्तराष्ट्रीय स्तर पर देश एंव विदेशो में क्रियायोग के प्रचार में अहम भूमि के लिए स्मृति चिन्ह के साथ पांतजलि योग गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम में देश विदेश से आये अनेकों साधकों ने भाग लिया, जिसमें अमेरिका, कनाडा, ब्राजील व सिंगापुर से आये डाक्टर व इंजीनियर भी मौजुद थे।